भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3275

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 दिसंबर, 2024

25 अग्रहायण, 1946 (शक)

दक्षिण भारत में प्राचीन स्मारकों का संरक्षण

3275. श्री डी.एम. कथीर आनंद:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार दक्षिण भारत के प्राचीन स्मारकों के संरक्षण, परिरक्षण और सुरक्षा के लिए पर्याप्त निधियां प्रदान कर रही है और यदि हां, तो विगत पांच वर्षों के दौरान तत्संबंधी स्मारक-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान पल्लव, शाही चोल, मध्यकालीन पांड्या, चेर, नायक राजवंशों से संबंधित प्राचीन मंदिरों का राजवंशवार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा इन प्राचीन संरक्षित स्मारकों और मंदिरों के डिजिटल मानचित्रण के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने नवीनतम डिजिटल दोहरी प्रौद्योगिकियों को शुरू करने और उपयोग करने तथा निधियों के आवंटन के संबंध में किसी विशेषज्ञ समिति का गठन किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी, हां। सरकार राजवंश, काल अथवा अन्यथा की परवाह किए बगैर दक्षिण भारत सहित सारे देश में प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण और संरक्षा के लिए पर्याप्त निधियां उपलब्ध करा रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान इनके लिए आवंटित की गई निधियां और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	वर्ष	आवंटन	व्यय
1.	2019-20	435.61	435.39
2.	2020-21	260.90	260.83
3.	2021-22	270.00	269.57
4.	2022-23	392.71	391.93
5.	2023-24	443.53	443.53

(ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, "इंडियन हैरिटेज ऐप" नामक प्रयोक्ता अनुकूल मोबाइल एप्लीकेशन का निर्माण किया है। इसमें भारतीय धरोहर और सांस्कृतिक इमारतों के लिए एकल पहुंच मंच के रूप में राष्ट्रीय महत्व के सभी संरक्षित स्मारकों हेतु एक व्यापक डेटाबेस है। इसमें इंटरैक्टिव डिजीटल मानचित्र सहित पाठ्य सामग्री के साथ महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी है।

(घ) और (ङ): जी, नहीं। मंत्रालय द्वारा ऐसी किसी समिति का गठन नहीं किया गया है।

*****